भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 5454
गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

बजट आवंटन में कटौती

5454. कुमारी सैलजाः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए बजटीय आवंटन घटाकर 2,357.14 करोड़ रुपये कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने, विशेषकर उड़ान योजना के अंतर्गत विमानपत्तन अवसंरचना विकास और क्षेत्रीय संपर्क जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर इन बजटीय कटौतियों के प्रभाव का आकलन किया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आवंटन में कमी के बावजूद विमानन क्षेत्र के निर्बाध विस्तार और विकास को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) वित्त वर्ष 2024-25 का बजट अनुमान 2357.14 करोड़ रुपये है, जिसे सापेक्ष वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित आवंटन में 301.54 करोड़ रुपये की कुल वृद्धि के साथ 2658.68 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान 2400.31 करोड़ रुपये है।

(ख) से (ग) सरकार ने अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है। संशोधित उड़ान योजना तैयार होने पर बजटीय आवंटन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा।

नागर विमानन मंत्रालय के पास ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए कोई अलग से बजटीय आवंटन/निधि नहीं है।

हालांकि, हवाई यातायात/यात्रियों की वृद्धि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश में विभिन्न हवाई अड्डों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और पीपीपी भागीदारों ने वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 91000 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) योजना शुरू की है। इसमें से, फरवरी, 2025 तक एनआईपी के तहत लगभग 88000 करोड़ रुपये का व्यय पहले ही किया जा चुका है।

******